

दिया। उसने तुलसीदास का बहुतमूल्य भेंट दी। सिकन्दर लोदी के समक्ष आत्मसमर्पण
जीवित नहीं रहा और 1517 ई० में उसकी मृत्यु हो गई।
सिकन्दर लोदी की धार्मिक नीति

लोदी सुल्तान सामान्यतः मुसलमानों के प्रति उदार रहे। उन्होंने धर्म का पालन
किया और विद्वानों का आदर किया। प्रशासनिक नियुक्तियों में अफगानों को प्राथमिकता
दी। मण्डरेल और अवनन्तगढ़ में हिन्दू मन्दिरों की गिराकर उसके स्थान पर मस्जिदें
बनवाई। इस प्रकार सिकन्दर लोदी ने जितने भी युद्ध किए उसमें उसकी धार्मिक भावना